जय माता की ॥ ओ३म् ॥ जय माता की

माँ शेरां वाली की सिद्ध प्रार्थना

तेरे मन्दिर में आशा के जलाने दीप आया हूँ
करोगी पूर्ण अभिलाषा इसी आशा से आया हूँ
न पूजा पाठ कुछ जानूं न जानूं अर्चना चिन्तन
मैं तेरा तुच्छ सेवक हूँ मेरा भाव बस लाया हूँ।
तेरे मन्दिर में आशा के जलाने दीप आया हूँ।
करो स्वीकार ये पूजा मैं किस्मत का सताया हूँ
तेरे मन्दिर में आशा के जलाने दीप आया हूँ।
करोगी पूर्ण अभिलाषा इसी आशा से आया हूँ।
तार वीणा के टूटे हैं मगर ओंकार बाकी है।
मैं टूटे तार का सरगम सुनाने तुझको आया हूँ।
तेरे मन्दिर में आशा के जलाने दीप आया हूँ।
हजारों ठोकरें खाकर तो अपनी माँ को
पाया है, बसाने माँ के चरणों में नया
संसार लाया हूँ।
तेरे मन्दिर में आशा के जलाने दीप
आया हूँ।
करोगी पूर्ण अभिलाषा इसी आशा से
आया हूँ।
ये माँ बेटे का दुनिया में बड़ा अटूट
नाता है, मैं अपनी गलतियों को
से क्षमा करवाने आया हूँ
तेरे मन्दिर में आशा के जलाने दीप
आया हूँ।
करोगी पूर्ण अभिलाषा इसी आशा से
आया हूँ॥

कृपया इस प्रार्थना को नियम से
करें। श्रद्धा और विश्वास की फलदायक
होता है। देसी घी की जोत जला लें। मातारूँ
अशुद्ध अवस्था में प्रार्थना न करें।

.....

CC-0. Dogri Sanstha, Jammu. Digitized by eGangotri